

## UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL) उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय , हल्द्वानी(नैनीताल )

## B.A. Ist YEAR ASSIGNMENT

बी.ए. प्रथम वर्ष सत्रीय कार्य

Last Date of Submission: 15/04/2020

जमा करने की अन्तिम तिथि: 15/04/2020

Course Code: BAPS-101

कोड :बी.ए.पी.एस 101

**Course Title:** Theory of Political Science

कोर्स शीर्षक: राजनीति विज्ञान के सिद्धांत

Year: 2019-20 Maximum Marks: 20

सत्र- 2019-20 अधिकतम अंक- 20

Section 'A' contains 08 short answer type questions of 2.5 marks each. Learners are required to

Answers 4 questions only. Answers of short answer-type questions must be restricted to 250 words approximately.

भाग क में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं | प्रत्येक प्रश्न के लिए ढाई (2.5)अंक निर्धारित हैं | प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए |

Briefly discuss the following:

निम्न की संक्षेप में चर्चा कीजिये

1.राजनीति विज्ञान का अर्थ।

Meaning of Political Science.

2.राजनीति विज्ञान की प्रकृति

Nature of Political Science.

3.शक्ति को परिभाषित कीजिए।

Define the power.

4.सत्ता को परिभाषित कीजिए।

Define the authority.

5.महात्मा गांधी के अनुसार राज्य के कार्य।

Functions of the state according to Mahatma Gandhi, .

6.राज्य के तत्व।

Elements of the state.

7.राजनीतिक दर्शन |

Political philosophy.

8.संप्रभुता को परिभाषित कीजिए।

Define the sovereignty.

Section 'B' contains 04 long answer-type questions of 05 marks each. Learners are required to answers 02 questions only.

भाग ख में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं ,इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं | प्रत्येक प्रश्न के लिए 05) अंक निर्धारित हैं |

1.राजनीति विज्ञान की प्रकृति की विवेचना कीजिए

Discuss the nature of political science.

2.राजनीति विज्ञान के अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ सम्बन्ध को स्पष्ट कीजिए।

Explain the relationship of political science with other social sciences.

3.आस्टिन के संप्रभुता सिद्धान्त का परीक्षा कीजिए |

Examine Austin's principle of sovereignty.

4.स्वतंत्रता और समानता एक दूसरे के पूरक हैं | इसकी व्याख्या कीजिए |

Liberty and equality are complementary to each other. Explain it.